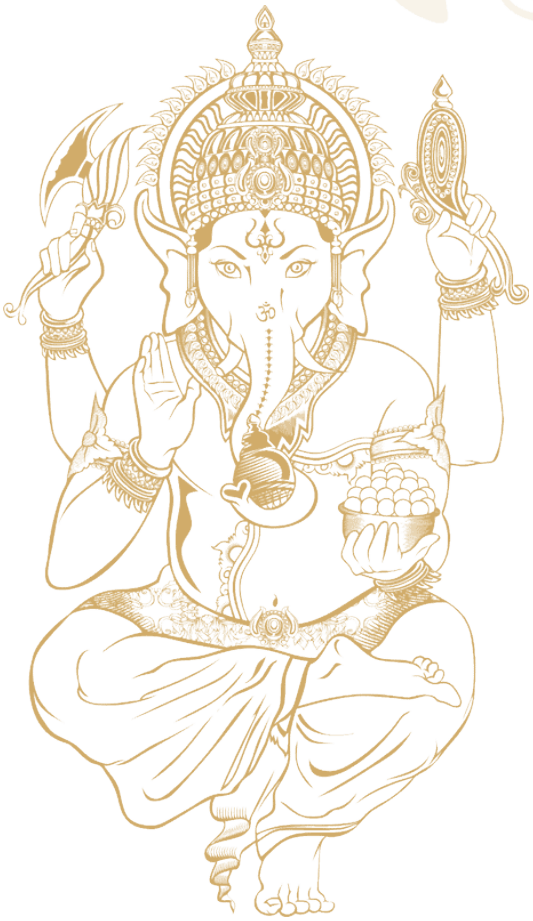

Mr. abhishek Kumar

27 Sep 1979

11:32 PM

Bihar

Model: web-freekundliweb

Order No: 119480805

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/09/1979**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**23:32:00 घंटे**
इष्ट	44:37:59 घटी
स्थान	**Bihar**
देश	India

अक्षांश	26:38:00 उत्तर
रेखांश	84:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:09:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:41:36 घंटे
वेलान्तर	00:08:44 घंटे
साम्पातिक काल	00:05:20 घंटे
सूर्योदय	05:40:48 घंटे
सूर्यास्त	17:42:05 घंटे
दिनमान	12:01:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	10:27:42 कन्या
लग्न के अंश	18:52:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	आयुष्मान
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	18:52:54	317:26:06	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	10:27:42	00:58:52	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	22:49:04	13:06:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	नीच राशि
मंगल			कर्क	08:08:02	00:35:36	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	कन्या	21:42:01	01:37:58	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
गुरु			सिंह	06:05:47	00:11:53	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	19:25:30	01:14:41	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	नीच राशि
शनि			सिंह	25:49:18	00:07:22	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
राहु	व		सिंह	14:35:53	00:01:55	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		कुंभ	14:35:53	00:01:55	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			तुला	24:59:34	00:02:55	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	---
नेप			वृश्चि	24:22:03	00:00:55	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
प्लूटो			कन्या	24:57:39	00:02:19	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	---
दशम भाव			मीन	07:52:32	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:34:19

लग्न-चलित

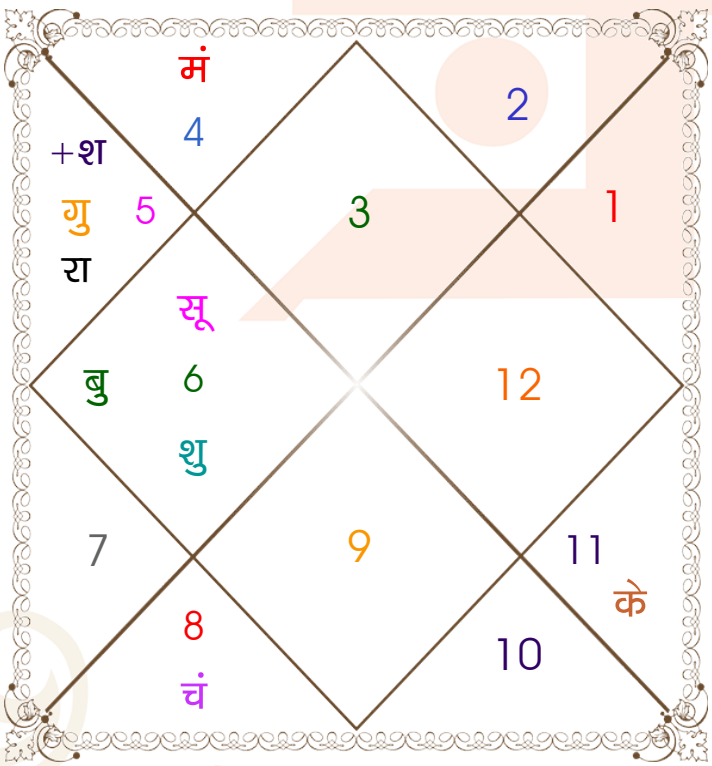

चन्द्र कुंडली

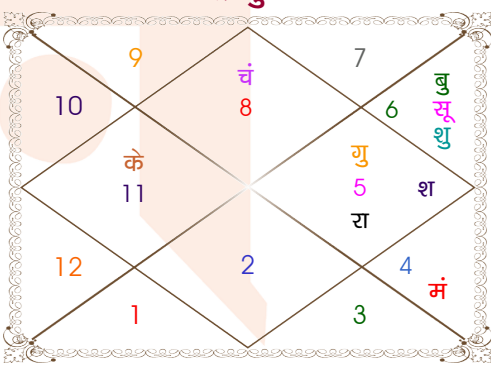

नवमांश कुंडली

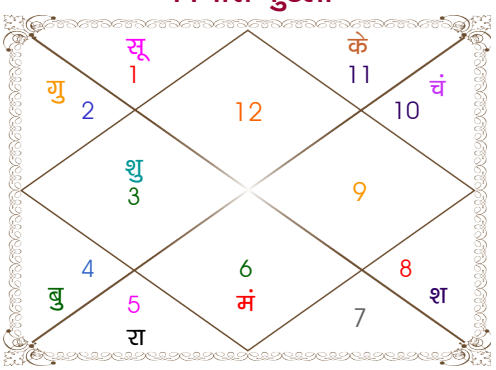

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 9 वर्ष 1 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/09/1979		23/11/1988		24/11/1995		24/11/2015		23/11/2021	
23/11/1988		24/11/1995		24/11/2015		23/11/2021		24/11/2031	
	00/00/0000	केतु	21/04/1989	शुक्र	25/03/1999	सूर्य	13/03/2016	चंद्र	24/09/2022
	00/00/0000	शुक्र	21/06/1990	सूर्य	25/03/2000	चंद्र	11/09/2016	मंगल	25/04/2023
	00/00/0000	सूर्य	27/10/1990	चंद्र	23/11/2001	मंगल	17/01/2017	राहु	24/10/2024
	27/09/1979	चंद्र	28/05/1991	मंगल	24/01/2003	राहु	12/12/2017	गुरु	23/02/2026
चंद्र	25/05/1980	मंगल	25/10/1991	राहु	23/01/2006	गुरु	30/09/2018	शनि	24/09/2027
मंगल	22/05/1981	राहु	11/11/1992	गुरु	23/09/2008	शनि	12/09/2019	बुध	23/02/2029
राहु	09/12/1983	गुरु	18/10/1993	शनि	24/11/2011	बुध	18/07/2020	केतु	24/09/2029
गुरु	16/03/1986	शनि	27/11/1994	बुध	24/09/2014	केतु	23/11/2020	शुक्र	25/05/2031
शनि	23/11/1988	बुध	24/11/1995	केतु	24/11/2015	शुक्र	23/11/2021	सूर्य	24/11/2031

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
24/11/2031		24/11/2038		23/11/2056		23/11/2072		24/11/2091	
24/11/2038		23/11/2056		23/11/2072		24/11/2091		00/00/0000	
मंगल	21/04/2032	राहु	06/08/2041	गुरु	11/01/2059	शनि	27/11/2075	बुध	22/04/2094
राहु	10/05/2033	गुरु	30/12/2043	शनि	25/07/2061	बुध	06/08/2078	केतु	19/04/2095
गुरु	16/04/2034	शनि	05/11/2046	बुध	31/10/2063	केतु	15/09/2079	शुक्र	17/02/2098
शनि	25/05/2035	बुध	25/05/2049	केतु	05/10/2064	शुक्र	15/11/2082	सूर्य	24/12/2098
बुध	22/05/2036	केतु	12/06/2050	शुक्र	06/06/2067	सूर्य	28/10/2083	चंद्र	27/09/2099
केतु	18/10/2036	शुक्र	12/06/2053	सूर्य	25/03/2068	चंद्र	28/05/2085		00/00/0000
शुक्र	18/12/2037	सूर्य	07/05/2054	चंद्र	25/07/2069	मंगल	07/07/2086		00/00/0000
सूर्य	25/04/2038	चंद्र	06/11/2055	मंगल	01/07/2070	राहु	13/05/2089		00/00/0000
चंद्र	24/11/2038	मंगल	23/11/2056	राहु	23/11/2072	गुरु	24/11/2091		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 9 वर्ष 1 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मिथुन लग्न के साथ-साथ मीन के नवमांश युक्त तुला द्रेष्काण में हुआ था। इसकी आकृति से यह स्पष्ट दिखाई देता है कि आप में असंख्य दुर्भावनाओं से युक्त विशेषताएं विद्यमान हैं। आप धार्मिक एवं तीर्थ स्थानों के पर्यटक होंगे। इन्हीं भावनाओं की सहायता से आपकी बहुरंजित अस्तित्व का अति विस्तार होगा। अन्य के सदृश आप में भी बहुत से सकारात्मक एवं नकारात्मक गुण विद्यमान हैं। जिसके फलस्वरूप आपको अपने जीवन के उद्धेश्य की प्राप्ति एवं सर्वविद्य संपन्नता प्राप्ति हेतु भगवान की कृपा बहुत दिनों तक सहायक होगा।

आप शारीरिक रूप से दीर्घकाय छरहरा बदन एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। यह प्रमाणित है कि आप विपरीति योनि के सदस्यों के प्रति प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। अर्थात् कामुक की श्रेणी में आपका नाम होगा। आप स्वभावतः वासनामय कार्यों के अगुआ के रूप में मशहूर होंगे। यह कार्य आपके लिए व्ययकारी प्रमाणित होगा। अतः आप इस प्रकार की विचारधारा के प्रति विमुख हो जाएं अन्यथा यह प्रवृति आपके स्वास्थ्य तथा पारिवारिक जीवन हेतु प्रभावशाली तथा अनुपयुक्त होगा।

आप निसंदेह कुशग्र बुद्धि के स्पष्ट रूपेण महत्वकांक्षी हैं। यदि कोई आपके कार्यों में बाधा उत्पन्न करता है, तो स्थायी रूपेण आप व्यक्तिगत तौर पर उसके पीछे पड़ कर उसे परेशानी करने की प्रवृत्ति को प्रतिकूल नहीं कर पातें। आप एक कार्य को बदल कर अन्य पेशा-व्यवसाय की ओर प्रवृत हो जाते हैं तथा आशापूर्वक कार्यारंभ कर देते हैं। परंतु यह प्रमाणित हो सकता है कि आपके विरोध में उत्पादन क्षमता प्राप्त कोई अन्य व्यक्ति लाभ प्राप्त नहीं कर सकता है। आपके लिए यह उत्तम सबक के संबंध में सावधानी पूर्वक विचार करना चाहिए तथा इसके बाद गंभीरता पूर्वक अध्ययन परिवर्तित नया कार्य व्यवसाय को कार्य रूप देना चाहिए। तत्पश्चात् आपको परिष्कृत संतोषजनक लाभांश प्राप्त करना चाहिए।

परंतु मिथुन राशि लग्न के प्रभाव से आप बिना विराम लिए ही अबाध गति से परिणाम प्राप्त करने के आंकांक्षी हैं। तत्पश्चात् आप किसी कार्य व्यवसाय को नियतकर, अपनी योजना का श्री गणेश (शुभारंभ) कर के अति व्यग्रता पूर्वक शीघ्र ही कार्य का उपयुक्त परिणाम प्राप्त करना चाहते हैं।

आप अच्छी तरह यह जानते हैं कि ऐसा संभव नहीं है तथापि आप शीघ्र ही धन का उपयोग करते हैं। परिणामस्वरूप आप अनेकों कार्यों को अर्द्ध मात्रा में करके अन्य योजना के प्रति आशान्वित होते हैं। परिणामस्वरूप आप अपेक्षित लाभ नही प्राप्त कर पाते हैं। इस प्रकार की धारण को बिना परिवर्तित किए अन्य कोई मार्ग नही है तथा आप बिना एकाग्रता के मनोवांछित कर्म/व्यवसाय किसी भी प्रकार से हस्तगत नहीं कर सकते हैं। आपके लिए यह मंत्र ग्रहण करना नितांत आवश्यक है कि आप अपनी उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। अन्यथा आपको व्यक्तिगत रूप से मूर्खता करने का परिणाम भुगतना होगा। आप धैर्यपूर्वक पीछे से पुनः अपनी पूरी शक्ति का प्रयोग कर अपनी प्रभुता को कायम रखेंगे। इस प्रकार आपके शुभचिंतक एवं

मित्रगण आपको सहयोग देने अथवा उचित पुरस्कर प्रदान करने लगेगें।

आपकी आयुवृद्धि के अनुसार आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल हो सकता है। आप, गले के संक्रमण, कफ, दमा गलगंड स्वरभंग रोगादि के प्रति उदासीन रहेंगे। अतः आप धुम्रपान की अपनी आदतों में बृद्धि न करें।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए उपयुक्त अंक 5 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावक अंक है। परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं, प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, ब्लू बैंगनी एवं हरा रंग अनुकूल हैं। जबकि रंग काला एवं लाल रंग सर्वथा त्याजनीय हैं।